Fertilizers Corporation of India (FCI).

(b) Missing targets have implications for the indigenous output/productiop which may be reduced.

(c) and (d) Fixation of responsibility for shortfall and taking action in this regard is the administrative jurisdiction of each Ministry/Department and corrective measures are applied to achieve the designated targets.

Reservation for SC|ST officers in ISS

4098. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI MOHAMMED AFZAL
alas MEEM AFZEL:
DR. BALDEV PRAKASH:

Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether there is any provision of reservation for SC/ST Officers in promotions from JTS to STS and onwards for organised Group A Services;

(b) if not why, such reservation is proposed to be given to SC/ST ISS Officers; and

(c) whether Government would take immediate steps to remove this discrimination?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI SUKH RAM): (a) to (c) Reservation for SC/ST Officers is required to be made in promotions from ITS to STS onwards in organised Group 'A' Services when the nromotion is made on the basis of seniority subject to fitness. In promotions made on selection basis within Group 'A' to posts which carry ultimate salary of Rs. 5.700 p.m., there is no reservation but a concession is provided in that SC/ST officers who are senior enough in the zone of consideration for promotion so as to be within the number of vacancies for which the select list has to be drawn up, would be included in that list provided they are not considered unfit for promotion. These orders are applicable to ISS also in terms of ISS Rules.

राजीव गांधी की हत्या से संबंधित वीडियो टेप का ठीक किया जाना

@4098. (क) **श्रीमती सत्या बहिन:** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विशेष जांच दल, मद्रास के कार्यालय ने 12 फरवरी, 1992 के एक पत्र में भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी की हत्या से संबंधित वीडीयो टेप के धुंधले पड़ चके हिस्से को डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग द्वारा ठीक करने तथा उसमें सुधार करने के के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के अपर निदेशक की सेवायें प्रदान किए जाने के लिए लिखा था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त अधिकारी ने इसके बारे में अपनी सहमति दे दी थी और उन्हें उनके विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा परेशान किया जा रहा है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) उक्त कार्य में कितनी प्रगति हुई है ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) जी, नहीं । राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के किसी अपर निदेशक ने एस०आई०टी० मद्रास कार्यालय की सहायता करने के लिए

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 4480, 19 अगस्त, 1992 से स्थानान्तरित ।

सहमति लेने हेतु किसी सक्षम प्राधिकारी से अनुमति के लिए सम्पर्क स्थापित नहीं किया था । अतः तंग किए जाने की सूचना निराधार है ।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के अलावा जिसके पास डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक सुविधा नहीं है, एस०आई० टी० ने तकनीकी सहायता के लिए अन्य विशेषज्ञ संगठनों से सम्पर्क किया था ।

Welfare of farmers engaged in sericulture

4099. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have evolved any plan for the welfare of farmers engaged in sericulture in the State of Madhya Pradesh and for purchasing cocoon from them at remunerative prices; and

(b) if so, what are tre details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) The schemes for promotion of sericulture including those specifically meant for welfare of sericulture farmers are basically formulated and implemented by the respective State Governments. However, in order to supplement the efforts of the State Governments, the Central Silk Board provides necessary R&D, Extension, Training & infrastructural support for development of sericulture in various States including Madhya Pradesh. In order to offer remunerative prices to the tribal tasar rearers of Madhya Pradesh, the Central Silk Board has established a Raw Material Bank Sub-Deport at Raigarh. Besides, the Board has also established a Cocoon Market (Mulberry) at Jagadalpur.

पटसन की बोरियों का निर्यात

4100. **श्री विनोद शर्मा :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पटसन की बोरियों के उत्पादन की अधिष्ठापित क्षमता 30,000 टन है और इसमें से 6000 टन पटसन की बोरियों का अन्य देशों को निर्यात किया जाता है तथा शेष पटसन की बोरियों का देश में ही उपयोग कया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि हाल ही में सरकार द्वारा उर्वरकों और सीमेंट की पैकिंग में अन्य सिथटिक सामग्री के प्रयोग की अनुमति दिए जाने के निर्णय से पटसन की बोरियों के घरेलू उपयोग में कमी आ जाएगी ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार पटसन उद्योग के लिए कुछ प्रोत्साहनों की घोषणा करके अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में पटसन की बोरियों की बिक्री सुलभ कराने पर विचार करेगी ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) पटसन बोरों का निर्माण करने के लिए सैकिंग और हैसियन के उत्पादन के लिए स्थापित क्षमता 90–95 हजार टन प्रति मास होने का अनुमान लगाया गया है तथापि, अप्रैल-जून 1992 के दौरान पटसन बोरों का औसत उत्पादन लगभग 62,000 टन प्रति मास रहा है जिसमें से 50/51000 टन की घरेलू खपत हुई तथा 4000 टन निर्यात किया गया ।

(ख) सरकार ने सीमेंट का 65 प्र०श० से 70 प्र० श० उत्पादन तथा यूरिया के समस्त उत्पादन को पटसन में पैकेजिंग करने के लिए आरक्षण आदेशों में अभी तक संशोधन नहीं किया है ।